चतुर्दश विधान सभा
पंचम सत्र

सोमवार, तिथि २६ मार्च,२००७ ई०
०५ चैत्र, १९२९ (श)

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय - ११.०० बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : अब सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, आज अभी कुछ समय पहले हमारे कार्यालय कक्ष में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक हुई । उक्त बैठक में सभी सदस्यों ने जो पिछले १२ मार्च,२००७ को सदन के अन्दर पांच सदस्यों द्वारा अभद्र आचरण किया गया था उसके विरूद्ध भारी अफसोस जाहिर किया, दुख व्यक्त किया । लोकतंत्र में कोई भी गतिरोध बातचीत से और चर्चा से समाप्त किया जाता है । हम जो लोगों ने आज कार्य मंत्रणा समिति में अफसोस और दुख जाहिर किया है उस घटना के प्रति जिसके परिणाम स्वरूप मैं उन माननीय सदस्यों से अपील करता हूं जो आज की बैठक में भाग नहीं ले रहे हैं अभी कई दिनों से, उन सबलोगों से अपील करता हूं कि सदन की कार्यवाही को चलाने में सहयोग करें, भाग लें और अपनी विधायी प्रक्रियाओं में हिस्सा बंटावें और सरकार से भी अपील करता हूं कि सरकार जो १६ तारीख को संशोधित निन्दा प्रस्ताव लाया गया है उसके संदर्भ में प्रस्ताव लावे ।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी १६ मार्च,२००७ को प्रतिपक्ष के कतिपय माननीय सदस्यों के द्वारा सदन की चल रही कार्यवाही में व्यवधान डालने के उद्देश्य से अभद्र आचरण के प्रदर्शन के कारण संशोधित निन्दा का प्रस्ताव माननीय सदस्य श्री सच्चितानन्द यादव,निर्वाचन क्षेत्र संख्या-२२७,जहानाबाद, श्री लक्ष्मी नारायण प्रसाद यादव, निर्वाचन क्षेत्र सं०-१५,घोड़ासाहन, श्री सत्य नारायण सिंह,निर्वाचन क्षेत्र सं०-२२२,ओबरा, श्री अजय पासवान, निर्वाचन क्षेत्र सं०-२३७,फतेहपुर (सु०) एवं श्रीमती प्रेमा चौधरी,निर्वाचन क्षेत्र सं०-४९,पातेपुर (सु०) के विरूद्ध लाया गया था जिसे आज २६ मार्च,०७ को कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में दुख प्रकट करने के कारण वापस करने का प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

"दिनांक १२ मार्च,०७ को सदन में कतिपय माननीय सदस्यों द्वारा सदन की चल रही कार्यवाही में बाधा डालने के उद्देश्य से अभद्र आचरण के प्रदर्शन के कारण पारित निन्दा प्रस्ताव वापस लिया जाय एवं माननीय सदस्य श्री सच्चितानन्द यादव,निर्वाचन क्षेत्र संख्या-२२७,जहानाबाद, श्री लक्ष्मी नारायण प्रसाद यादव, निर्वाचन क्षेत्र सं०-१५,घोड़ासाहन, श्री सत्य नारायण सिंह,निर्वाचन क्षेत्र सं०-२२२,ओबरा, श्री अजय पासवान, निर्वाचन क्षेत्र सं०-२३७,फतेहपुर (सु०) एवं श्रीमती प्रेमा चौधरी,निर्वाचन क्षेत्र सं०-४९,पातेपुर (सु०) के विरूद्ध लाया गया था जिसे आज दिनांक २६ मार्च,०७ को कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में दुख और अफसोस जाहिर करने के कारण वापस करने का प्रस्ताव है"

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

निन्दा प्रस्ताव वापस लिया गया ।

टर्न-८:ज्योति-बबलू 16. ..

२६-०३-२००७

तारांकित प्रश्न संख्या १८१८, डॉ० इजहार अहमद

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : १-अस्वीकारात्मक है ।

२- वर्तमान में उपलब्ध सुविधायों को और बेहतर करने के संबंध में कार्रवाई की जा रही है ।

डॉ० इजहार अहमद : अध्यक्ष महोदय, बिहार निवास की जो हालत है, माननीय सदस्य जाते हैं, कैदी से भी बदतर हालत है, वहाँ के खाने की, रख रखाव की । सवाल है कि १५ महीनों से उसके चादर नहीं बदली होते हैं । तौलिया महीनों महीनों से गंदे रहते हैं, जो उसका लैट्रीन (शौचालय) बिल्कुल जाम रहता है, टंकी से पानी नहीं चलता है और पानी खोलने के बाद करेंट आ जाता है । अध्यक्ष महोदय, उसी सिलसिले में मैं बोल रहा हूं, रख रखाव के संबंध में, अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्मम से चाहता हूँ कि उसके रख रखाव की सुविधा होनी चाहिए और जो दोषी पदाधिकारी हैं, उसपर कार्रवाई होनी चाहिए । खासकर मेस में जो खाना मिलता है, कैदी से भी बदत्तर खाना मिलता है, माननीय सदस्यों को ।

अध्यक्ष : आप स्पष्ट प्रश्न तो रखें ।

डॉ० इजहार अहमद : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो साफ तौर से रख रखाव करने हेतु कहा है, सारी बात बता रहा हूं । माननीय सदस्य तमाम जाते हैं, वहाँ पर जो चादर है गंदे हैं, मैंने बार बार कहा है कि उसके रख रखाव के लिए कैंटीन को सुविधनजनक बनाने के लिए ।..

श्री रामदेव वर्मा : अध्यक्ष महोदय,.

अध्यक्ष : आपकी मदद के लिए बगल में खड़े हो गए हैं, माननीय सदस्य रामदेव वर्मा जी ।

श्री रामेश्वर प्रसाद : कैंटीन की व्यवस्था रेलवे से करवा दीजिये ।

श्री रामदेव वार्म : अध्यक्ष महोदय, यह बात सर्वविदित है कि बिहार निवास की जो स्थिति है, वह दयनीय स्थिति है । उसका खाना-पिना सब कुछ इस हालात में सरकार नो लौस नो गेन के आधार पर वहाँ का जो केन्टीन की जो व्यवस्था है- पहला उसको ठीक करने के लिए तैयार हैं कि नहीं, उसके स्टैण्डर्ड नौर्मल मेंन्टेन करने के लिए तैयार है या नहीं, तीसरी बात जो उसके रख रखाव हैं, उस रख रखाव को भी सामान्य जो स्तर है वह भी मेंटेन करने के लिए तैयार हैं या नहीं ? इन तीनों का जवाब सरकार दे ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, प्रश्न देखा जाय, उसी से कोरिलेटेड सप्लीमेंट्री है क्या ? प्रश्न क्या है, जरा देखा जाय । क्या यह बात सही है कि दिल्ली स्थित बिहार निवास तथा बिहार भवन में बिहार से पहुंचने वाले माननीय सांसद, विधान सभा सदस्यों एवं पार्षदों को बेहतर आवासीय सुविधा नहीं मिल पाती है, भोजन का जिक्र नहीं है, आवासीय सुविधा की बात है । एम०पी० को तो कोई आवश्यकता है नहीं, तो मैंने खण्ड- २ में कहा कि वर्तमान में उपलब्ध जो सुविधा है- वह और बेहतर बनाने के संबंध में कार्रवाई की जा रही है, मेन्टेन नहीं है, तो मेंटीनेंस तो रुटीन वर्क है और जहाँ तक

माननीय सदस्य ने जिक्र किया भोजन वगैरह का तो उसके लिए भी निर्देश दिया जायेगा कि उसपर ताकीद रखें रेसीडेंट कमीशनर और उसकी बेहतरी के लिए जो भी उचित कदम हैं, उठाये जांय ।

श्री रामदेव वर्मा : अध्यक्ष महोदय, सवाल यह है । दो सवाल है, एक तो रख रखाव और जो कैन्टीन का मेंटीनेंस है, रख-रखाव में खर्च सरकार की राशि की हो रही है । उसमें जो गड़बड़ियाँ हो रही है, उसकी जाँच कराना और दूसरा उसका मौर्डन मेंटीनेंस करने का सवाल है सर, जाँच करवा लीजिये, क्या हालत है ? हमलोग भी जाते हैं, आप भी जाते हैं, मंत्री जी और कोई पक्ष विपक्ष का सवाल नहीं है, सवाल है कि बिहार से वहाँ जो जाने वाले लोग हैं, उनका क्या स्तर है, इस हालत में सवाल है कि हमलोगों को खाना और जो जलपान दिया जाता है, अन स्टैण्डर्ड, इस हालत में आप स्टैण्डर्ड करने के लिए तैयार हैं कि नहीं ? नो लौस नो गेन पर पर चलाने के लिए तैयार हैं कि नहीं बताईये ?

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, मैं माननीय सदस्य की भावना को कभी नहीं कहा कि अस्वीकारात्मक है । मैंने नहीं कहा कि बेहतर व्यवस्था है, जहाँ तक सुविधा का प्रश्न है तो वह एलौटमेंट से होता है । मैंने कहा कि बेहतरी के प्रबंध किए जा रहे हैं और सारी चीजो में इम्प्रूभमेंट जल्द से जल्द करायें जायं । इसके लिए दिशा निर्देश जारी किए जायेंगे, ऐसा मैंने कहा है । तो उम्मीद करनी चाहिए कि व्यवस्था को ठीक ठाक करके और आगे यह कठिनाई नहीं होगी, यही मैंने कहा महोदय ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ...

श्री शकील अहमद खाँ : महोदय, सरकार कैन्टीन की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए नो गेन नो लौस पर बेहतर बनाना चाहती है, स्पेसिफिक सवाल था, उसपर क्या स्टैण्ड है ? कैन्टीन की व्यवस्था थोड़ा बेहतर हो, खाना साफ सुथरा हो और हमारे भोजन का बिहारी लुक रहे उसमें खाने का, बिहार का खाना बिहार की तरह रहे लेकिन ऐसा थर्ड ग्रेडेड खाना मिलता है, बिजेन्द्र जी हम जानते हैं कि आप भी बिहार निवास का खाना नहीं खाते हैं, कहीं और खाते हैं । इसलिए खाना बेहतर हो, नो प्रौफिट नो लौस की तरह आप उसकी बेहतर व्यवस्था कीजिये ।

तारांकित प्रश्न संख्या-१८१८ पर पूरक क्रमशः

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्रीः महोदय, लंबे समय से गिरावट आयी है सभी चीजों में । यह भी गिरावट का एक पार्ट है,यह भी गिरावट का एक हिस्सा है । अब आप एक साथ तुरत कह रहे है छू मंतर करने के लिए । तो जिन्होंने गिराया वहीं हमको उपदेश दे रहे हैं तो उपदेश ग्रहण करने में भी वक्त लगेगा । धैर्य रखिये सब कुछ ठीक हो जायेगा ।

(व्यवधान)

अध्यक्षः शांति, शांति ।

श्री शकील अहमद खांः १५ साल में ७ साल आप भी रहे हें ।

श्री रामेश्वर प्रसादः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को सूचना देना चाहता हूं कि काम वहां ऑलरेडी प्रारंभ हो चुका है । दो तीन कमरों का मॉडर्ननाइजेशन हो भी चुका है । मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जो काम की प्रगति स्लो है ।कमरों के मॉडर्ननाइजेशन के काम मे स्लो है । वह कमरा विधायकों के लिए नहीं खोला जाता है महोदय वह लॉक रहता है जाने पर मना कर दिया जाता है । मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या सभी कमरों का माडर्नाइजेशन जो चल रहा है सभी कमरों का कब तक ठीक कर दिया जायेगा और कैंटीन वगैरह की व्यवस्था कब तक ठीक कर दिया जायगा स्पेसिफिक किस समय तक हो जायेगा ?

श्री नीतीश कुमार,मुख्यमंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जब मैं पिछली बार बिहार निवास में था ।

(व्यवधान)

अध्यक्षः शांति ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्रीः अरे कहां खायेंगे शकुनी बाबू, जब यहां आ गए तो वही खाना पड़ता है । दूसरा कहां जायेंगे ।

तो मैंने व्यक्तिगत रूप से भी पूछताछ की समीक्षा की और यह जानकारी ली । यह बात सही है कि व्यवस्था संतोषजनक नहीं है । और उसको संतोष के लायक बनाने के लिए प्रयत्न करना चाहिए, और प्रयत्न किया जा रहा हे । जैसा माननीय सदस्य रामेश्वर जी ने जानकारी दी वहां पर उसके जीर्णोद्धार कह लीजिये शब्द कौन सा प्रयोग होगा थौरो रिपेयर का काम मेंनटीनेंस का काम उसका किया जा रहा है ब्लौक वाइज कमरो को लेकर ताकि लोगों को बिलकुल एकबारगी असुविधा नह हो जाय वह किया जा रहा है । जहां तक भोजन की व्यवस्था का सवाल है मैं स्मरण के आधार पर कह रहा हूं संचिका देखकर इस बात का उल्लेख नहीं कर रहा हूं । चूंकि ये सबकी दिलचस्पी का विषय है तो उसमें कुछ कठिनाई आयी थी उसके टेंडर को जो निकाला गया था, कौन उसको चलायेगा उसमें कोई कठिनाई आयी थी । लेकिन उसको व्यक्तिगत रूप से हमलोगों की सबकी समस्या है, सबकी दिलचस्पी है इसमें इसलिए मुख्य सचिव को निदेश देंगे कि वे अपने स्तर पर इसके संबंध में मिटींग कर के जो भी व्यवस्था में सुधार के लिए जरूरी बात हो सकती है और माननीय सदस्य

इसके संबंध में कोई सुझाव उनके मन में हो तो वह भी अगर दे दें तो ज्यादा बेहतर होगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या-१८१९ (श्री महेन्द्र ना० यादव)

अध्यक्षः माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ।

श्री मंजर आलम,राज्यमंत्रीः अध्यक्ष महोदय, यह सवाल ट्रांसफर हुआ है शिक्षा विभाग को । मेरे विभाग से संबंधति नहीं हे । ट्रांसफर हुआ है शिक्षा विभाग को ।

अध्यक्षः स्थानान्तरित किया जाय ?

श्री मंजर आलम, राज्यमंत्रीः जी ।

श्री महेन्द्र ना० यादवः अध्यक्ष महोदय, ५०० विद्यार्थी वहां पढ़ते हैं, कोई विद्यालय वहां नहीं है ।

अध्यक्षः माननीय मंत्री ने आज समय चाहा है उसके संदर्भ में और स्थानान्तरित चाहते हैं । मानव संसाधन विभाग देगा जवाब बाद में अगले दिन जब इसका दिन आयेगा इस वर्ग का ।